Dainik Bhaskar (Indore), 18th February 2024, DB Star, Page-01

बिजनेस एंड फंडिंग एक्सेलरेटर प्रोग्राम • चुने हुए स्टार्टअप बेंगलुरू में फाइनल राउंड में देंगे प्रेजेंटेशन, 30 इन्वेस्टर करेंगे फंडिंग

आईआईटी इंदौर से जुड़े 23 स्टार्टअप को 3.6 करोड़ की फंडिंग, तीन स्टार्टअप को 25-25 लाख, 7 को मिले 3-3 लाख रुपए

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में संचालित इन्क्यूबेशन सेंटर दृष्टि सीपीएस के दो दिनी बिजनेस एंड फंडिंग एक्सेलरेटर प्रोग्राम में 23 स्टार्टअप को कुल 3.6 करोड़ रुपए की फंडिंग दी गई है। ये फंडिंग भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा ही इन्क्यूबेशन सेंटर जरिये दी गई है। इसमें 11 डिजिटल हेल्थकेयर और 12 इंडस्ट्री 4.0 से जुड़े स्टार्टअप शामिल हैं। 3 स्टार्टअप को 25-25 लाख रुपए की फंडिंग मिली है। वहीं, 7 स्टार्टअप को 3-3 लाख रुपए दिए गए। 3 स्टार्टअप को 4.8 लाख रुपए मिले हैं और शेष 10 स्टार्टअप को 10 लाख और 15 लाख रुपए की फंडिंग की गई।

दृष्टि सीपीएस के सीईओ आदित्य व्यास ने बताया कि यह एक्सेलरेटर प्रोग्राम का पहला संस्करण है, जिसमें 23 स्टार्टअप शामिल हैं। हमारे इन्क्यूबेशन सेंटर में फिलहाल 61 स्टार्टअप शामिल है, जिन्हें तीन हिस्सों में बांटा गया है। इसी प्रोग्राम के अगले दो चरण चंडीगढ़ और पुणे में होंगे, जहां अलग-अलग स्टार्टअप अपना पिच देंगे। साथ ही उन्हें मेंटरिंग भी दी जाएगी। इन 61 में से जिन स्टार्टअप को इन्वेस्टर्स पसंद करेंगे उन्हें बेंगलुरू में होने वाले फाइनल राउंड में अपना स्टार्टअप पिच देने का मौका मिलेगा और इन्वेस्टर्स द्वारा फंडिंग भी दी जाएगी। इसके लिए संस्था ने 30 इन्वेस्टर्स को भी इस कार्यक्रम में शामिल किया है। अगले दो महीनों में 10 और नए स्टार्टअप को इन्क्यूबेशन सेंटर से जोड़ा जाएगा। अब तक 14 महीनों में 61 स्टार्टअप को 15 करोड़ रुपए की फंडिंग की जा चुकी है।

विशेषज्ञों ने बताया- क्या होती है इन्वेस्टर्स की सोच

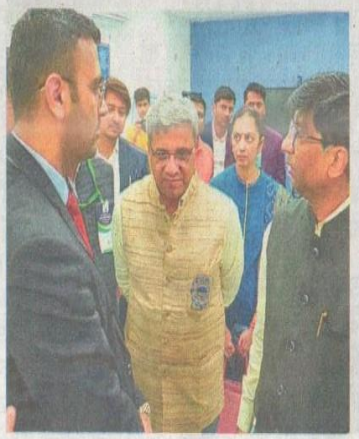

बूट कैंप के पहले दिन शुक्रवार को कोबोटा एस्कॉर्ट्स के इनोवेशन हेड शरद गुप्ता ने प्रतिभागियों को स्टार्टअप ब्रांडिंग पर संबोधित किया। कैस्पियन फंड के इमैन्युअल मुरे ने प्रतिभागियों को बताया कि कि किसी भी स्टार्टअप के प्रति इन्वेस्टर्स कि क्या विचारधारा होती है और किन मापदंडों पर इन्वेस्टर स्टार्टअप को आंकते हैं। वक्ता शशि गुप्ता ने वेल्यू प्रपोजीशन स्टेटमेंट बनाने पर संबोधित किया। स्टार्टअप के लिए वन-टू-वन मेंटरिंग सेशन का आयोजन भी किया गया। आईआईएम इंदौर के प्रोफेसर मनोज मोतियानी ने भी संबोधित किया। इस दौरान संस्था से जुड़े स्टार्टअप ने भी अपने प्रोडक्ट और आइडिया प्रस्तुत किए।

सेंटर ऑफ डिजिटल हेल्थ 'चरक' का शुभारंभ

शनिवार को डिजिटल हेल्थकेयर के सेंटर 'चरक' का उद्घाटन डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर ने किया। आईआईटी इंदौर में बने इस सेंटर पर 40 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। वहीं, 10 करोड़ की टेस्टिंग मशीनें स्थापित की जाएंगी, जिनसे मेडिकल स्टार्टअप अपने प्रोग्राम्स, मशीन आदि को टेस्ट कर सकेंगे। इसमें से 4 करोड़ की मशीनें इसी वित्तीय वर्ष यानी मार्च-2024 से पहले मिल जाएंगी, शेष 6 करोड़ की मशीनें अगले वित्तीय वर्ष में लाई जाएंगी।